□□□□ □□□□□

स□□स्थ□ □□ □□□□□ □ल□□ □त्र□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□ज□ □□□

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2510

10 **□□□म□□**, 2019 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

□□श□□ □□□□□□ □□□

2510. **श्री संजय सिंहः**

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण □त्री □□ □□□□□□ □□□ □□□□□

(क) क्या यह सच है कि कुछ राज्यों म आवश्यक दवाओं का कमी है, □□ □□,□□ □□□□ क्या कारण ह; □□

(□) □□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □; □□ □त□□□ ब□□□ क□□

□त□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज□ □त्री (श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(□ □□ (□) "□□ स्वास्थ्य और अस्पताल " □□ज□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□□□ स्वास्थ्य केन्द्रों म अनि□□ औषधियां का पयाप्त आपूति सुनिश्चित करना संबंधित □□ज□ □□□□□ का प्राथमिक जिम्मेदारा है।

□□ स्वास्थ्य केन्द्रों म आने □□□□□□□□ □□ अनिवाय औषधियां का उपलब्धता सुनिश्चित करना और आउट ऑफ पॉकेट खच (ओओपीई) को कम करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत फ्री ड्रग्स सविस इनिशिएटिव शुरू किया है।

□□□□ □□□ राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को □□ स्वास्थ्य केन्द्रों म उनका कायक्रम कायान्वयन योजना म का गई अपेक्षाओं पर आधारित उनके समग्र संसाधनों के भीतर हा अनिवाय औषधियां का व्यवस्था हेतु वित्तीय सहायता प्रदान का जाती है। इस सहायता म □□□, गुणवत्ता आश्वासन तंत्र, वेयरहाउसिंग, प्रिस्क्रिपशन लेखापरीक्षा, शिकायत निवारण,

मानक उपचार दिशानिदशां का प्रसार, सूचना प्रौद्योगिको समर्थित आपूर्ति चेन प्रबंधन प्रणालो जैसे कि औषधि और टोका वितरण प्रबंधन प्रणालो (डीवीडीएमएस) का सुदृढ़ीकरण/ स्थापना शामिल ह।

सभी राज्यां/संघ राज्य क्षेत्रों ने सूचित किया है कि उन्होंने □□ स्वास्थ्य केन्द्रों म मुफ्त अनिवाय औषधियां देने का नीति को अधिसूचित कर दिया है। □त्र□□□ □□□□ □□ केन्द्रों , प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और जिला अस्पतालों उपलब्ध करवाई जाने वालो दवाईयां का उदाहरणदशक सूची जारी का है।

डीवीडीएमएस एक वैब आधारित आपूर्ति चेन प्रबंधन प्रणाला है जो खराद, आपूर्ति, वितरण और विभिन्न प्रकार का औषधियां, सूचस, सजिकल और कन्ज़ुमेबल मदां का इन्वटरा प्रबेधन करती है। इसम सभी जिला और राज्य स्तराय केन्द्रों म औषधियां का □□□ब□□□ को मानिटरिंग और चेकिंग का स्वनिमित व्यवस्था है। डीवीडीएमएस विभिन्न क्षेत्रीय/जिला औषधि वेयरहाऊसां, जिला अस्पतालां उनके उप स्टोरां जैसे कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को लिंक करती है। इसके अतिरिक्त रोगियां को औषधि वितरण का कायात्मकता है इसलिए अंतिम छोर तक खपत का ट्रेकिंग का जा □□□□ □□

आयुष्मान भारत के अंतगत सामुदायिक स्तर पर अविच्छिन्न परिचया के नजरिए से निवारक स्वास्थ्य परिचया और स्वास्थ्य प्रोत्साहन सहित दिसंबर 2022 तक देश भर के 1.5 लाख उप केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्रों म परिवर्वतित किया जा रहा है।

□□□□□□ □□ष□□□ □□□□-स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्रों म आने वाले रोगियां को □फ□ □□□□□□□□□□ा व□□स□□ □□

सभी राज्यां/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावां के आधार □□ (दिल्ली राज्य संघ क्षेत्र □□ □□□□□) □□□ □□ 60,000 □□□-□□□ब□सी को अनुमोदन प्रदान किया जा चुका है। जैसा कि सभी राज्यां/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित किया गया है, 06 दिसंबर, 2019 तक □□□ □□25,162 □□□- □□□ब□□□ □□□□□ □□ □□ □□

****